This question paper contains **4+1** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5374**

Unique Paper Code : **205539** **E**

Name of the Paper : **Hindi A**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9+9=18

(क) अरी वरुणा की शांत कछार-

तपस्वी के विराग की प्यार!

तुम्हारे कुंजों में तल्लीन, दर्शनों के होते थे वाद।

देवताओं के प्रादुर्भाव, स्वर्ग के सपनों के संवाद।

स्निग्ध तरु की छाया में बैठ, परिषदें करतीं थीं सुविचार-

भाग कितना लेगा मस्तिष्क, हृदय का कितना है अधिकार ?

(*i*) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए।

P.T.O.

(*ii*) कवि ने वरुणा की कछार पर होने वाली किन सांस्कृतिक गतिविधियों का उल्लेख किया है ?

(*iii*) कवि नें तपस्वी कहकर किसे संबोधित किया है ?

(ख) अंग्रेजी का सारा इतिहास लेटिन के साथ संबद्ध है। संस्कृत के, भाषा के और परंपरा के उनके जितने भी स्रोत हैं, वे सब लेटिन से आए हैं। इसी प्रकार हमारी संस्कृति, भाषा व परंपरा का संबंध संस्कृत से है। जिस भाषा का संबंध हमारे जीवन, इतिहास और सभ्यता से हो, उसी प्रकार की भाषा और सभ्यता हम प्राप्त करते हैं। इसे हम 'आकर' भाषा कहते हैं। हमारी आकर भाषा संस्कृत है। बहुत से लोगों को यह बात बुरी लगती है लेकिन जिनको यह बात बुरी लगती है वे इस देश की भाषा को नहीं जानते। जिनको हिंदी से अथवा किसी भी भारतीय भाषा से प्रेम है उसे यह देखना होगा कि उसकी भाषा का आदि रूप क्या है। चन्दबरदाई, तुलसीदास आदि को ही ले लीजिए। इनकी रचनाओं का एक-एक शब्द संस्कृतनिष्ठ है। इसी प्रकार हमारी अन्य भारतीय भाषाओं में भी, चाहे वह गुजराती हो, बंगला हो, मराठी हो—संस्कृत भरी पड़ी है।

(*i*) अंग्रेजी के इतिहास का संबंध किस भाषा से है ?

(*ii*) 'आकर' भाषा से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(*iii*) संस्कृत भाषा हमारे लिए महत्वपूर्ण क्यों है ?

(ग) बाजार से हठपूर्वक विमुखता उनमें नहीं है; लेकिन अगर उन्हें जीरा और काला नमक चाहिए तो सारे चौक-बाजार की सत्ता उनके लिए तभी तक है, तभी तक उपयोगी है, जब तक वहाँ जीरा मिलता है। जरूरत-भर जीरा वहाँ से ले लिया कि फिर सारा चौक उनके लिए आसानी से नहीं बराबर हो जाता है। वह जानते हैं कि जो उन्हें चाहिए वह है जीरा-नमक। बस इस निश्चित प्रतीति के बल पर शेष सब चाँदनी चौक का आमंत्रण उन पर व्यर्थ होकर बिखरा रहता है। चौक की चाँदनी दाँए-बाँए भूखी-की-भूखी फैली रह जाती है, क्योंकि भगतजी को जीरा चाहिए वह तो कोने वाली पंसारी की दुकान से मिल जाता है और वहाँ से सहज-भाव में ले लिया गया है। इसके आगे आसपास अगर चाँदनी बिछी रहती है तो बड़ी खुशी से बिछी रहे, भगतजी उस बेचारी का कल्याण ही चाहते हैं।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(*ii*) 'बाजार से हठपूर्वक विमुखता' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) भगतजी का चौक-बाजार की सत्ता से किस प्रकार का संबंध है ? बताइए।

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6+6=12

(*i*) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।

(*ii*) 'कैपिटिलिस्टिक बाज़ार' में मनुष्य का शोषण किस प्रकार होता है ? (बाज़ार दर्शन)

(*iii*) राष्ट्रीयता की भावना के विकास के लिए लेखक में किन बातों का होना जरूरी मानता है ? ('गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश')

(*iv*) कथा वाचिका अपनी हार क्यों स्वीकार करती है ? ('मैं हार गई')

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5+5+5=15

(*i*) भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

(*ii*) हिंदी भाषा की संरचना पर विचार कीजिए।

(*iii*) सभ्यता के विकास में भाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

(*iv*) प्रयोग, साधन और साध्य के संदर्भ में भाषा का वैविध्य स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) भाषा और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं—स्पष्ट कीजिए। 8

अथवा

सामाजिक स्तर-भेद और भाषिक विविधता से आप क्या समझते हैं ? प्रकाश डालिए।

(*ii*) औपचारिक **अथवा** अनौपचारिक भाषा का प्रयोग किन संदर्भों में किया जाता है ? विचार कीजिए। 7

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5+5+5=15

(*i*) कोई **पाँच** तद्भव शब्द लिखकर उसके तत्सम् रूप लिखिए।

(*ii*) व्यंजक शब्द और व्यंग्यार्थ से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(*iii*) निम्नलिखित एकार्थी शब्दों में से किन्हीं **पाँच** का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए :

प्रणय, अपयश, छात्र, कृति, यातना, निधन, तरुण।

(*iv*) किन्हीं **पाँच** अनेकार्थी शब्दों के **दो-दो** अर्थ स्पष्ट कीजिए :

ग्रहण, पानी, सोना, अर्थ, अंतर, उत्तर, द्रव्य।